विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, 26 फरवरी से 5 मार्च 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 36 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में धन-दौलत के साथ ही आत्मीयता और प्रेम को हासिल करने वाला कभी दुखी नहीं होता है. मानवता की सेवा प्रभु सेवा से कम नहीं है. ऐसे में मानव जीवन में स्वयं के साथ ही जरूरतमंदों के लिए भी जीने का प्रयास करना चाहिए. वर्ना जीवन मौत के साथ ही खत्म हो जाएगा.

पेज नंबर 2

बढ़ती लापरवाही और गड़बड़ी बन रही है सड़क पर मौत

पेज नं.3

मानवता की सेवा से बड़ा धर्म नहीं हो सकता है-प्राचार्य शिरभाते

पेज क्र.6

मेहनत, ईमानदारी और समर्पण को नहीं हो सकता है कोई पर्याय-पूरणसेठ हबलानी

पेज नं. 8

विदर्भ स्वाभिमान-आनंद आदर्श पुरस्कार से 9 मार्च को सम्मानित होंगी 9 महिलाएं

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

अनगिनत रिकार्ड के साथ महाकुंभ का समापन

सफाई कर्मचारियों के साथ पुलिस,सुरक्षा बलों की भूमिका शानदार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सर्वत्र सराहना

विदर्भ स्वाभिमान,25 फरवरी

प्रयागराज- महाकुंभ ने विश्वस्तर पर कई गिनीज रिकार्ड बनाते हुए इसका भले ही महाशिवरात्रि को समापन हो गया है और पंडाल उखाड़ना भी शुरू होगया है लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में भक्त दूर-दूर से यहां पहुंच रहे हैं. इस बीच अपने-अपने जिले में पवित्र स्नान लोग कर सकें, इसके लिए मुख्यमंत्री आदित्य योगीनाथ द्वारा टैंकर से हर जिले में त्रिवेणी संगम का जल भिजवाया गया है. बताते हैं श्रद्धा के विश्वस्तरीय इस इवेंट से 4 लाख करोड़ रूपए का राजस्व भी राज्य को प्राप्त होने से उत्तर प्रदेश की जीडीपी भी तेजी

से बढ़ी. यहां आने वाले भक्तों द्वारा अयोध्या में श्रीराम लला, काशी विश्वनाथ का दर्शन करने से इस क्षेत्र को भी करोड़ों रूपए का लाभ हुआ है. कुल मिलाकर 144 साल बाद आने वाले महाकुंभ ने अनगिनत रिकार्ड बनाते हुए पूरे विश्व को भी हैरत में डाल दिया है.

महाकुंभका समापन 26 फरवरी को हो चुका है. दुकानें उखड़ चुकी हैं. पंडाल उखाड़े जा रहे हैं. इस बीच, महाकुंभ न आ पाने वालों को सरकार उनके जिले में संगम स्नान कराने की तैयारी में है. इसके लिए दमकल विभाग की गाड़ियों से सभी 75 जिलों में संगम का जल भेजा जा रहा है.संगम में अब भीड़ नहीं है. हालांकि, सुबह संगम पर स्नान के लिए काफी श्रद्धालु पहुंचे. अब संगम तक आसानी से गाड़ी ले जा सकते हैं. परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने शुक्रवार को **शेष पेज 2 पर**

चुनाव का पता नहीं, निकाय चुनावों पर राजनीति तेज

कई इच्छुक थक कर बैठ गए,कईयों को आस

विशेष प्रतिनिधि, 26 फरवरी

अमरावती/मुंबई- राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद हजारों की संख्या में नगर सेवक, जिला परिषद, नगर पंचायत सदस्य बनने की चाहत रखने वाले लोग आखिर चुनाव का समय नहीं देखते हुए हारकर बैठ गए. लेकिन इन इच्छुकों द्वारा चुनाव की ख्वाहिश में हजारों रूपए खर्च कर दिये गए हैं. अमरावती मनपा के लिए भी इच्छुकों की संख्या 500 से अधिक है. चुनाव से पहले ही सभी दलों द्वारा चुनाव में जीत के लिए राजनीति शुरू हो गई है.

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों से पहले मराठी वोट बैंक पर सियासत तेज हो गई है. मराठी भाषा दिवस के मौके पर सभी राजनीतिक दलों ने भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया. उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने अलग-अलग आयोजनों में हिस्सा लिया. शिवसेना यूबीटी ने एकनाथ शिंदे पर मराठी युवाओं के साथ अन्याय का आरोप लगाया. बीजेपी ने विपक्ष पर पलटवार किया. सभी दल मराठी अस्मिता का असली रक्षक होने का दावा कर रहे हैं. आगामी निकाय चुनावों में मराठी वोटों को लुभाने के लिए दलों में होड़ लगी हुई है. देखना यह है कि चुनाव की घोषणा कब होती है.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की पांचवी किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

संयमहीनता,गड़बड़ी बन रही है मौत का कारण

शहर के साथ ही जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अस्तव्यस्त यातायात व्यवस्था लोगों के लिए जानलेवा बन गई है. रोज शहर तथा जिले में हो रही दुर्घटनाओं में लोगों की मौत हो रही है. समझदारी और नियमों का पालन करने वाली यंत्रणा पर तब हैरत होती है जब इस तरह दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में केवल चालक की लापरवाही, नियमों का भंग करने वाली मानसिकता, हड़बड़ी और संयम का अभाव ही होता है. शहर में सिग्नल के लाल लाइट लगने पर 50-60 सेकंड का इंतजार नहीं करने की मानसिकता के कारण भी शहर तथा जिले में दुर्घटनाएं बढ़ी हैं. नांदगांव खंडेश्वर में सोमवार को दोपहर 2 बजे ट्रक ने बाइक सवाल को उड़ा दिया, वहीं दूसरी ओर मोर्शी में सड़क पार कर रहे बुजर्ग को मारूति वैन ने उड़ा दिया. दोनों ही दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई. रोज शहर तथा जिले में सड़क पर नाचती मौत के शिकार दो-चार लोग होने के बाद भी न तो यातायात विभाग, न ही आरटीओ और न ही लोगों में ही सुधार आ रहा है. समय कीमती है लेकिन जीवन तो बेशकीमती है. बावजूद इसके अपनी ही जिंदगी के दुश्मन लोग कैसे बन गया है, यह सोचनीय विषय है. तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई. नांदगांव खंडेश्वर के बस स्टॉप क्षेत्र में हिंदुस्तान पेट्रोल पंप के करीब सोमवार को दोपहर दो बजे के करीब हुई. इस दुर्घटना में सुभाष सावदे पाटील की मौत हो गई. पुलिस ने ट्रक जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है.नांदगांव खंडेश्वर तहसील के कणी मिर्जापुर निवासी सुभाष सावदे पाटील बाइक से जाते समय उन्हें ट्रक ने उड़ा दिया. वहीं मोर्शी शहर में सड़क पार करते समय रविवार की रात्रि तेज रफ्तार मारुति ओमनी वैन की टक्कर से एक बुजुर्ग वासुदेव बाबाराव वानखड़े की मौत हो गई. दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंची मोर्शी पुलिस ने वाहन जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया.मोर्शी के समीप खानापुर निवासी वासुदेवराव बाबाराव वानखड़े का घर मोर्शी से चांदूर बाजार मार्ग से सटा हुआ है. वे अपने घर के सामने चांदूर बाजार से मोर्शी मार्ग पार कर कटिंग की दुकान पर बाल कटवाने जा रहे थे, तभी चांदूर बाजार से मोर्शी की ओर जा रही सफेद रंग की मारुति ओमनी कार ने सड़क पार कर रहे वासुदेवराव वानखड़े को जोरदार टक्कर मारी. दुर्घटना में सीमेंट सड़कों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है. दुर्घटना के बाद व्यक्ति इन सड़कों पर गिरने के बाद सिर फूटना लगभग तय रहता है. जबसे सीमेंट सड़कें बनी हैं, इस पर दुर्घटना में मरने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है.संयमहीनता, गड़बड़ी, शांति तथा बढ़ते तनाव के कारण सड़कों पर मौत नाच रही और लोग शिकार हो रहे हैं.

हटकर इसलिए देवादिदेव हैं महादेव

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

महाशिवरात्रि, महादेव की कृपा पाने के सबसे बड़ा और शुभ अवसर है. मान्यता है कि इस दिन उनकी उपासना से न केवल सुख-समृद्धि की प्राप्ति बल्कि व्यक्ति के बड़े से बड़े दुखों का भी अंत होता है. शास्त्रों के अनुसार महाशिवरात्रि शिव और पार्वती के 'वैवाहिक वर्षगांठ' के रूप में मनाया जाने वाला पर्व है, जो सभी शिव भक्तों के लिए बेहद खास है.वैसे भी जो अमृत पीते हैं, वह देव हैं लेकिन जनकल्याण के लिए विश्व की रक्षा के लिए जो विष भी पी लेते हैं, वह देवादिदेव महादेव हैं. जिस तरह से भगवान भोलेनाथ मस्त मौला है, ऐसे ही उनके तमाम भक्त भी होते हैं. कहते हैं कि विश्वास ही पूजा-आराधना होता है. जब हम किसी पर विश्वास करते हैं तो स्वयं ही वह ताकत बन जाती हैं. सनातन धर्म में भगवान भोलेनाथ की महिमा से पूरे ग्रंथ और शास्त्र भरे हैं. भगवान भोलेनाथ अल्प भक्ति से भी खुश हो जाते हैं. उनकी इसी खूबी तथा पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा अपनी लाखों लोगों की उपस्थिति वाली कथाओं के माध्यम से जिस तरह से उनका गुणगान किया जाता है, वह निश्चित ही सराहनीय है. आज भारत में शिव महापुराण कथा के साथ ही जिस तरह से सनातन धर्म का महत्व बढ़ रहा है, वह भी अपने आप में कम नहीं है. बुधवार को महाशिवरात्रि पूरे देश में उत्साह,भक्तिभाव से मनायी जाएगी. संयुक्त परिवार के पुरोधा कै साथ ही भगवान भोलेनाथ के परिवार

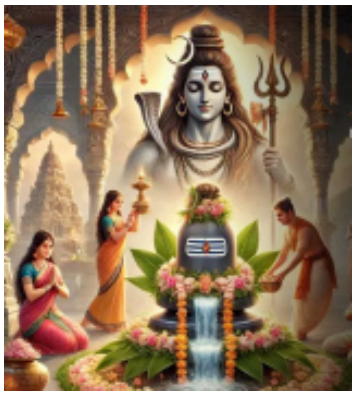

में परस्पर विरोधी रहने के बाद भी जिस तरह से सामंजस्य रहता है, वह अदभुत है. इसके साथ ही भोलेनाथ संदेश देते हैं समस्त संसार को अगर परिवार में एकता है तो खुशियां, इससे समृद्धि और समृद्धि से स्वास्थ्य निश्चित होगा. भगवान भोलेनाथ पहाड़ों पर बसे हैं, उसमें भी भक्त के हित की कामना है. आज सुविधाओं ने हमें आलसी और आलस्य ने बीमार बना दिया है. जब हम भोलेनाथ का दर्शन के लिए पैदल जाते हैं, पहाड़ों पर चढ़ते हैं तो कोलेस्ट्राल के साथ ही कई बीमारियों को खत्म होने में मदद मिलती है. जो हर मामले में परमार्थ सोचें, वह हैं महादेव. कहते हैं कि इस दिन शिवलिंग पर केवल एक लोटा जल चढ़ाने से महाकाल प्रसन्न होते हैं और साधक पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं. महाशिवरात्रि का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस तिथि पर शिव परिवार की आराधना करने से वैवाहिक जीवन में प्रेम, विश्वास और मधुरता बनी रहती है. इस दौरान कन्याएं भी मनचाहा वर पाने के लिए निर्जला उपवास रखती हैं. इस साल 26 फरवरीके दिन पूरे भारत में महाशिवरात्रि मनाई ग़ई. करोड़ों भक्तों ने भगवान भोलेनाथ और मां पार्वती के दर्शन किए. खास रौनक हरिद्वार और महाकाल की नगरी उज्जैन में देखने को मिलती है. यहां जगह-जगह शिव-पार्वती की पूजा का भव्य आयोजन किया गया. अमरावती के कोंडेश्वर, गड़गड़ेश्वर, महेश्वर, विश्वेस्वर सहित कई दर्जन शिवालयों में विभिन्न कार्यक्रम हुआ. भगवान भोलेनाथ संसार के कल्याण के लिए जिस तरह से त्याग करते हैं, उसका एक प्रतिशत भी इंसान में आ जाए तो धरती स्वर्ग बनने में देर नहीं लगेगी.

ऐतिहासिक रहा प्रयागराज महाकुंभ

पेज 1 से जारी- महाकुंभ की धरती से विदा लिया. इससे पहले उन्होंने अरैल घाट पर सफाई की. गंगा से कचरा निकाला. सफाई कर्मियों को भोजन कराया.संगम पर आज जगह-जगह कूड़े का ढेर दिख रहा है. सफाई कर्मचारियों ने आज से 15 दिन के विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की है. संगम क्षेत्र, घाटों और मेले की स्थायी और अस्थायी सड़कों को साफ किया जा रहा है. संगम की रेती जहां पैर रखने तक की जगह नहीं होती थी, वह अब वीरान पड़ा है.पंडाल उखाड़े जा रहे हैं. लोडर में भरकर सामान लोग ले जा रहे.तस्वीर संगम की दोपहर की है. कुछ श्रद्धालु दिखाई दे रहे हैं. दुकानों पर सन्नाटा है.महाकुंभ आने से वंचित रह गए लोगों को उनके जिले में ही संगम के जल से स्नान कराया जाएगा. इसके लिए 75 जिलों से 300 से अधिक दमकल की गाड़ियों को प्रयागराज मंगाया गया. गाड़ी में संगम का जल भरकर जिलों के लिए रवाना कर दिया गया है. एक गाड़ी की क्षमता 5000 लीटर की है.

90 हजार कैदियों ने डुबकी लगाई-महाकुंभ के दौरान जेल में कैदियों की आस्था और धार्मिक भावनाओं का भी सम्मान किया गया. सरकार ने 90 हजार से अधिक कैदियों को जेल के अंदर ही त्रिवेणी के पुण्य जल से स्नान कराया.

सीएम योगी ने प्रयागराज दौरे पर गुरुवार को महाकुंभ में चल रहे नेत्र कुंभ का निरीक्षण किया. यहां किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की. उन्होंने सबसे पहले गणेश प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. इसके बाद आयोजन में लगे प्रमुख लोगों से मुलाकात की.

फिर उन्होंने ओपीडी का निरीक्षण कर डॉक्टरों और आयोजन समिति के सदस्यों से बातचीत भी की. मुख्यमंत्री ने नेत्रकुम्भ की भव्यता और प्रबंधन की प्रशंसा की. डॉक्टरों ने उन्हें पूरी व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी. सीएम को बताया गया कि महाकुम्भ के दौरान नेत्रकुंभ में 2.37 लाख मरीजों की यहां जांच की गई है.सीएम योगी को बताया गया कि नेत्र कुम्भ में 1.63 लाख चश्मे वितरित किए गए हैं. सीएम के कार्यक्रम को देखते हुए नेत्र कुम्भ की सेवा को एक दिन के लिए और बढ़ा दिया गया है. पहले 26 फरवरी को इसका समापन होना था, लेकिन अब इसकी तिथि 27 फरवरी तक कर दी गई है.निरीक्षण के दौरान सीएम योगी ने विशेषज्ञों से पूछा कि इतनी बड़ी संख्या में मरीजों को किस तरह व्यवस्थित इलाज दिया जा सका. जिस पर डॉक्टरों ने बताया कि यह कठिन कार्य था, लेकिन सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते सफलता मिली. मुख्यमंत्री ने इस सेवाभाव के लिए सभी डॉक्टरों और आयोजकों को बधाई दी और भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों की जरूरत बताई.

महाकुंभ में 70 करोड़ से अधिक भक्तों के पहुंचने के बाद भी यहां बेहतरीन इंतजाम और साफ-सफाई की सराहना करते हुए सभी सफाई कर्मचारियों को विशेष प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी मुख्यमंत्री ने की. इसके साथ ही सुरक्षा में लगे 50 हजार से अधिक होमगार्ड,पुलिस जवानों का कार्य सराहा जा रहा है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

मानवता की सेवा से बड़ी सेवा नहीं होती-प्राचार्य संजय शिरभाते

जन्मदिन पर हजारों ने दी शुभकामनाएं, कहा-सभी के प्रेम से मिलती है ताकत

विदर्भ स्वाभिमान,26 फरवरी

अमरावती- सेवा की भावना एक ऐसी भावना है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है.जब भी हम किसी प्राणी की सेवा करते हैं तो हम खुद व खुद परमपिता परमेश्वर की ही सेवा कर रहे होते हैं.जब हम दूसरों की सेवा करते हैं तो हम एक प्रकार से अपनी सेवा कर रहे होते हैं.कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जो सेवा को अपना धर्म मानते हैं. उनके कारण ही दुनिया का बेहतरीन रूप दिखाई देता है. सेवानिवृत्त प्राचार्य संजय शिरभाते के मुताबिक मानव सेवा ही असली ईश्वर सेवा होती है. हम पिता हैं तो प्रभु परमपिता हैं. ऐसे में जिस तरह दर्द में रहने वाले पुत्र की सेवा देखकर पिता खुश होते हैं, उसी तरह मानव सेवा को देखकर परमात्मा खुश होते हैं. इसलिए जितना संभव हो सके, प्रभु की सेवा के साथ मानव सेवा करते रहें.सेवा आपको अध्यात्म की तरफ ले जाती है. उनका 23 फरवरी को जन्मदिन था, इस उपलक्ष्य में हजारों ने सुबह से लेकर रात्रि तक शुभकामनाएं

दी. सभी के प्रति आभार जताते हुए प्राचार्य संजय शिरभाते ने कहा कि मित्रों का यही प्रेम उन्हें सदैव सेवा करने के लिए प्रेरित करता है.

मानव के साथ ही जीव-जंतु और प्राणी सेवा की भावना एक ऐसी भावना है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है. जब हम दूसरों की सेवा करते हैं, तो हम वास्तव में ईश्वर की सेवा कर रहे होते हैं. ईश्वर ने हमें इस दुनिया में कुछ उद्देश्यों के साथ भेजा है और उनमें से एक है दूसरों की सेवा करना. दूसरों की सेवा करना हमेशा खुद के लिए भी फायदेमंद होता है क्योंकि ऐसा करके हमें पॉजिटिव फील होता है और हम ज्यादा शांत, तनाव मुक्त व अच्छा महसूस करते हैं. दरअसल जब दूसरों की सेवा करते हैं तो हम उनकी नहीं अपनी ही मदद कर रहे होते हैं. कई वैज्ञानिक अध्ययनों में देखा गया है आम लोगों की तुलना में ऐसे लोग ज्यादा शांत व खुश होते है जो अपने जीवन में हर प्रकार की प्रतिस्पर्धा को खत्म करके हर काम में दूसरों की सेवा करते हैं. ऐसा करके अन्य लोगों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होते हैं और फिर आपस में प्रतिस्पर्धा जैसी कोई चीज नहीं बचती.कई पुरानी कहावतों में भी कहा गया है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है यानि जब हम दूसरों की मदद कर रहे होते हैं. विदर्भ स्वाभिमान परिवार उनके सुख,समृद्धि,स्वस्थ जीवन की कामना करता है. आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें और सभी मनोकामनाएं पूरी हों,प्रभु चरणों में यही कामना.

जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं

सेवानिवृत्त प्राचार्य, अभी तक सैकड़ों का जीवन संवारने वाले, सेवाभावी व्यक्तित्व, यारों के दिलदार यार, हम सभी के बड़े भाई

प्राचार्य संजय शिरभाते

को जन्मदिन 23 फरवरी पर करोड़ों

हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल, वीएनके ग्रुप, विदर्भ स्वाभिमान परिवार और असंख्य मित्र परिवार, अमरावती.

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें. छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर
9423426199,
8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

श्रीहरी और माता महालक्ष्मी में हुआ ऐसा वार्तालाप

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-8, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं. प्रथम किश्त यहां दे रहे हैं. तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है. जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा. डिजिटल संस्करण www.vidarbhswabhiman.com शेष अगले अंक में

पिछले अंक से आगे-हे लक्ष्मी तुम मुझे देखकर भयभीत हो जाओगी समझ कर तुम्हे यहाँ पर बुलाने से दूर रहा. तुम्हारा करुणा से परिजनों के साथ यहाँ पर चले आना बहुत अच्छा हुआ. यह सुनकर लक्ष्मी ने इस रूप में कहा. हे स्वामी आपको छोड़कर एक पल भी मैं कैसे दूर रह पाऊँगी. इसलिए इस धरती पर आ गयी हूँ. हमारी गलतियों को भुलाकर हमारा उध्दार कीजिए. यह सुनकर हँसते हुए स्वामी ने लक्ष्मी से कहा.पूरी धरती भर छान मारने पर मुझे यह स्थल अच्छा लगा. यहाँ बसने का मन हुआ. हे कोमली यही हमारा वैकुंठ है. यहाँ के फलों के वृक्ष फूलों की ये लताएँ यहाँ के पुण्य तीर्थ, मुनियों के आश्रम मनुष्यों को मोक्ष प्रदान करनेवाले हैं. धरती के लोग इनसे धन्य हो जायेंगे. देखते- देखते मुझे भी बहुत संतोष होने लगा है.इसलिए मैं यहीं पर रह गया. भूलोकवासियों का उध्दार करने का काम बच गया. उसके लिए यहीं रहना अच्छा हैं. मेरे मन के अनुकूल और तुम्हारे मनोनुकूल यहीं पर हम रहेंगें. यह कहते स्वामी ने लक्ष्मी की सम्मति मांगी. यह सुन कर लक्ष्मी ने हंसते हुए स्वामी को देखकर इस रूप में कहा. आप सर्वज्ञ हैं. इसलिए आप जहाँ रहेंगे हम सब वहीं रहेंगे. हमें कोई चिंता नहीं है देव! आप ही की इच्छा है देवा लक्ष्मी के इस रूप में कहने पर स्वामी ने लक्ष्मी को अपने वक्षस्थल पर धारण किया. तब वराह स्वामी पूर्ण कलापूर्ण बने.तब भूदेवी और श्रीदेवी समेत वराह स्वामी पृथ्वी पर बड़ी उदारता से राज करने लगे. विपुल पराक्रम राजाओं और भक्तों की निष्कपट भक्ति पाकर स्वामी लक्ष्मी समेत सुखी रहने लगे.

स्वामी पुष्करिणी का प्रभाव- सूत के व्दारा पुराण सुननेवाले शौनकादि ने सूत से इस रूप में कहा. हे स्वामी सूत स्वामी पुष्करिणी के बारे में हमें बताइए . इस रूप में पूछने पर सूत ने उन दिव्य मुनियों से इस रूप में कहा. हे मुनिगण वैकुंठ में रहनेवाले क्रीडाचल पर रहनेवाली पुष्करिणी में सुगंध -परिमल से भरा पानी सदा रहता था. वहाँ पर श्रीदेवी और भूदेवी के साथ स्वामी क्रीडा किया करते थे. वे स्वामी ही श्रीदेवी और भूदेवी के साथ स्वामी क्रीड़ा किया करते थे. वे स्वामी ही श्रीदेवी और भूदेवी के साथ क्रीडाचल पर बसने धरती पर उतर आये हैं. हरि के मनोनुकूल गंगादि नदियाँ यहाँ इस तीर्थ में अखिल जनों के पापों को दूर करने प्रवाहित हुई हैं. इसके अतिरिक्त यह पुष्करिणी सबके इष्ट कार्य भी पूरा करनेवाली है.ऐसी स्वामी पुष्करिणी के दर्शन से और उसके जल को पान करने से स्त्री शूद्र जनादि अपने जन्म को धन्य बना लेंगे. इसके अतिरिक्त नित्य नैमित्तिक स्नान संध्यावंदन करनेवाले ब्राह्मण भी इसमें स्नानादि करने से पुण्य प्राप्त करेंगे . इसके अतिरिक्त पुष्करिणी के स्नान के साथ-साथ एकादशी व्रत, सदगुरू पाद सेवा आदि करने से विशेष फल प्राप्त होगा. ऐसा अवसर अन्यत्र दुर्लभ है. सकल स्थावर जंगम प्रणियों में मनुष्य जन्म अत्यंत दुर्लभ जन्म है. ऐसे मनुष्य जन्म में वेंकटाद्रि में रहते हुए पुष्करिणी में स्नान करना अत्यंत पुण्यप्रद है.इसलिए वेंकटाद्रि माहात्म्य और पुष्करिणी के प्रभाव के बारे में बताना बहुत कठिन है. इसलिए संक्षेप में बताने की चेष्टा करूँगा. इसके इतिहास के बारे में बताऊँगा. ध्यान से सुनिए हे मुनिगण. सूत ने आगे इस रूप में कहा.पूर्व काल में तारकासुर का वध करनेवाले कुमार स्वामी को ब्रहम हत्या करने का पाप लग गया.ब्रह्म हत्या के दोष से मुक्त होने के लिए शिव पुत्र कुमार स्वामी ने इसी पुष्करिणी में स्नान किया.अपने ब्रह्म हत्या पाप से मुक्त हो गए. इस पुष्करिणी की महिमा के बारे में सुनकर कुमार स्वामी ने शीघ्र ही वें कटाद्रि पर पहुँच कर इस पुष्करिणी में स्नान करके वराह स्वामी के दर्शन करके उनकी प्रर्थना की. तब वे अपने पाप से मुक्त हो गये . इसलिए वें कटाद्रि में स्थित यह पुष्करिणी भयंकर पापों को भी दूर करनेवाली है. सारे पापों को पावन बनानेवाली पुष्करिणी है.इस धरती पर ऐसी पुष्करिणी दूसरी नहीं है. इसलिए सारे राजा और जन समेत सारे लोग पाप निवारण के लिए यहीं पर आते हैं. इस रूप में यह पुष्करिणी राजाओं से ही नहीं बल्कि रुद्र शुक्र आदि देवताओं से भी सेवित है. इसरूप में यह सकल लोगों को श्रीकर और शुभकर बनी है. हरि कल्याण का यह गुण सदा यहाँ पर रहेगा. और बहुत कुछ कहने का मतलब भी यही है. एक ही पुष्करिणी है. हे पंडितगण.सुनिए प्रकृत जनों को यह प्रकृति की तरह पुण्यात्माओं को यह पुण्य तीर्थ की तरह दिखाई पड़ेगी.

शेष अगले अंक में

मानवता,संवेदनशीलता से ओतप्रोत डॉ. पंकज घुंडियाल

जन्मदिन 2 मार्च पर विदर्भ स्वाभिमान की शुभकामनाएं

अमरावती- जीवन में कुछ लोगों का साथ निश्चित तौर पर यादगार रहता है. ऐसे ही लोगों में हैं घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर के संचालक मानवता, आत्मीयता से परिपूर्ण डॉ. पंकज घुंडियाल. दिल के साफ व्यक्ति और नैतिकता,माता-पिता की सेवा को कामयाबी का जरिया मानते हैं. जितना हो सके, अच्छा करने का भाव सदा रखते हैं. उनका 1 मार्च को जन्मदिन है, इस उपलक्ष्य में ढेरों शुभकामनाएं.

उनके मार्गदर्शन में जीआरडीसी ने अल्प समय में ही विदर्भस्तर पर नाम कमाया है. यह विश्वास जीतने में सफलता प्राप्त की है. केन्द्र ने जहां अमरावती का नाम वैद्यकीय क्षेत्र में चमकाया है, वहीं गरीबों की मदद करने वाला और कोई भी गरीब मरीज पैसे के लिए जांच के बगैर नहीं लौटने को डॉ. पंकज घुंडियाल अपना गौरव मानते हैं. उनके मुताबिक अमरावती ही नहीं तो समूचे विदर्भ से मरीज यहां आते हैं. अचूक जांच ही केन्द्र की सबसे बड़ी खूबी है. पिछले 21 साल से मरीजों की सेवा के साथ ही सभी सहयोगियों , हितचिंतकों के प्रति कृतज्ञता जताना वे नहीं भूलते हैं. उनके मुताबिक सकारात्मक सोच के साथ किया गया कोई भी काम असफल नहीं होने की उनके पिता स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल की सीख ही उनके जीवन में काम आयी है.

नैतिकता को अत्याधिक महत्व

आज पैसे के लिए कुछ भी करने की सोच वाले दौर में भी नैतिकता का हर हाल में पालन करने वाले तथा संगठन की नैतिक कमिटी के पूर्व चेयरमैन डॉ. पंकज घुंडियाल जिले के पहले ऐसे डाक्टर हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, संगोष्ठी तथा कार्यशालाओं में बुलाया जाता है. इतना ही नहीं तो क्षेत्र के अनगिनत पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है. इसे माता-पिता का आशिर्वाद और चहेतों की वेल विशेष बताते हुए जीवन के आखिरी दम तक जितना संभव हो सके, लोगों के लिए करने की बात कही. विदर्भ स्तर पर वैद्यकीय क्षेत्र में डॉ. पंकज गुरुमुखदास घुंडियाल ने क्रांति की है. विश्वस्तरीय सुविधाओं से जहां जीआरडीसी सुसज्जित है, वहीं पहला केन्द्र है, जहां तकनीशियनों को भी क्वार्टर दिया गया है, ताकि मरीजों की चौबीसों घंटे सेवा हो सके. घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर में लाई गयी आधुनिकतम मशीनों के माध्यम से जहां उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अमरावती का नाम रोशन किया है, वहीं दुसरी और केंद्र में गरीब एवं जरुरतमंद मरीजों को सुबह 8-10 और शाम में भी 8-10 बजे विशेष रियायत देने वाला पहला केन्द्र है. यही कारण है कि अपार विश्वास के साथ ही मरीजों की भीड़ सदैव यहां रहती है. डॉ. पंकज घुंडियाल ने कहा कि केंद्र में नैतिकता, गरीब एवं जरुरतमंद मरीजों की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है. न केवल अमरावती बल्कि विदर्भ तथा राज्यस्तर पर घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर ने अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है.

आधुनिकतम सुविधाएं एक ही स्थान पर-सेवा के 23 साल पूरे करने वाले केन्द्र के प्रमुख डॉ. घुंडियाल

का कहना है कि जीवन में अमरावती की माटी ने बहुत कुछ दिया है. यही कारण है कि पैसों के पीछे भागने की बजाय अमरावती जिले की सेवा के व्रत को साकार किया.

महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय एवं विश्वस्तरीय आधुनिकतम वैद्यकीय जांच मशीनों से लैस घुंडियाल रेडियो डायग्नोस्टिक सेंटर (जीआरडीसी) का घोष वाक्य ही-हम करते है परफेक्ट डायग्नोसिस इसलिए मरीजों पर समूचित दिशा में उत्तम इलाज (व्ही सर्व यू द परफेक्ट डायग्नोसिस, सो यु ट्रीट युअर पेशेंट द बेस्ट).

इसी घोषवाक्य को उद्देश्य मानकर मरीजों की बेहतरी के लिए स्थापना से लेकर अभी तक प्रयास किया जाता रहा है. काम्प्रेहेंसिव एन्ड एडवान्स द रेडियो डायग्नोसिस विथ कम्प्लीट केअर के तहत जांच की सभी सुविधाएं यहां एक ही छत के नीचे मिलने की जानकारी भी डा. पंकज घुंडियाल ने दी.उनके मुताबिक वर्ष 2002 से मरीजों की सेवा में लगा यह केंद्र आज जिले के डाक्टरों के साथ ही मरीजों के विश्वास का केंद्र बन गया है.

हर प्रकार की जांच करने में सक्षम एवं जर्मनी द्वारा निर्मित सायमन्स हाईली एडवांस सायलेंट 1.5 टेस्ला 96 चैनल मैगनेटम सेंप्रा एमआरआय मशीन्स इस केंद्र में आई है. यह मशीन समूचे भारत में पहली बार यहीं पर आई थी. इस अकेली मशीन में हर प्रकार की शारीरिक जांच करने की एक्युरेट क्षमता है. इसके चलते यह मशीन न केवल केंद्र बल्कि अमरावती जिले ही नहीं तो विदर्भ के लिए वैद्यकीय क्षेत्र की क्रांति कहीं जाए तो गलत नहीं होगा. आधुनिकतम वैद्यकीय जांच सुविधाओं से लैस इस मशीन से जांच कुछ ही मिनट में हो जाती है. इसमें न्युरोशुट, एन्जीओशुट, आर्थोशुट, बॉडीशुट, ओंकोशुट, कार्डियाकशूट, पीडीयाट्रीक शूट, क्वाईट शूट जैसी आधुनिकतम सुविधा के माध्यम से मरीजों की सटीक जांच की क्षमता एवं व्यवस्था है. गंभीर किस्म के मरीजों की सहजता से जांच, उच्चतम सुविधाजनक तथा 97 प्रतिशत रिडक्शन इन साऊंड प्रेशर एडजस्टेंबल सिटींग टेबल, मरीजों को आरामदायक अनुभव के साथ अल्ट्रा लाईट वेट एंड प्लैझीबल टिम फोर जी व्हाईल्स के साथ ही अत्यल्प समय में कठीन से कठीन जांच जैसी खूबियों वाली इस मशीन को अमरावती में लाकर डॉ. पंकज घुंडियाल ने न केवल क्रांति की है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर वैद्यकीय क्षेत्र में अंबानगरी का सम्मान भी बढाया है. 4 साल से उन्हों ने सुबह 8-10 बजे तथा रात में भी 8-10 बजे तक जांच कराने वाले गरीब मरीजों को रियायत दी है. इसका लाभ सैकड़ों मरीजों ने उठाते हुए आशिर्वाद भी दिया. वर्ष 2002 से लेकर अभी तक जीआरडीसी ने पौंधे से लेकर वटवृक्ष बना है. लेकिन लोगों को सदैव जोड़ा है. आधुनिकतम वैद्यकीय जांच केंद्र में जिस तरह की अपडेट मशीनरी, जांच व्यवस्था, विशेषज्ञ डाक्टरों, तकनिशीयनों, कर्मचारियों की टीम है. वह भी अपने आप में किसी रिकार्ड से कम नहीं है. उनके साथ ही पूरा स्टॉफ भी जनसेवा की भावना से ओतप्रोत रहता है.

जनसेवा तथा गरीबों की मदद की सीख उन्हें माता-पिता के आदर्श संस्कारों से मिली है. उनके मुताबिक कुछ ने अनुभव दिया, कुछ ने मार्गदर्शन तो कईयों ने अच्छी सीख भी दी है.माता-पिता को अपने जीवन का सबसे प्रेरणादायी एवं देवतुल्य बताते हुए डॉ. पंकज घुंडियाल ने कहा कि जीवन में जब कभी भी किसी बात को लेकर मलाल हुआ अथवा परेशान हुए तो ऐसे समय स्वर्गीय पिता गुरूमुखदास घुंडियाल प्रेरणादायी बनकर सामने रहे हैं. पिता की सीख, संस्कारों को याद करते हुए उनकी आंखें आज भी नम हो जाती हैं.बेहतरीन डाक्टर, राष्ट्र धर्म को कर्तव्य मानने वाले डॉ.पंकज घुंडियाल को जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और जनसेवा का कार्य उनके हाथों सदैव होता रहे, यही कामना.

राजेन्द्र सिंघई (जैन), अमरावती.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

शहर के सुख्यात युवा व्यवसायी एवं होटल रामगिरी इंटरनेशनल के संचालक, हमारे प्रिय मित्र तथा सामाजिक, जेसीस के कामों में अग्रणी

सुनीलभाऊ जयस्वाल

को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना, जन्मदिन पर

मंगलमय शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

होटल रामगिरी इंटरनेशनल, वीएसएम होटल के सभी कर्मचारी तथा सहयोगी, विदर्भ स्वाभिमान परिवार तथा असंख्य मित्र परिवार, अमरावती.

गड़गड़ेश्वर महादेव का अद्भुत श्रृंगार

अमरावती- शहर के प्राचीन गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में भक्त प्रवीण बुंदेले तथा साथियों द्वारा महाशिवरात्रि उत्सव मनाया है. इस उपलक्ष्य में भोलेनाथ ही हर दिन विशेष श्रृंगार किया जा रहा है. भोलेनाथ का यह श्रृंगार आने वाले भक्तों को आकर्षित कर रहा था. इसका एक मनोहारी नजारा. मंदिर में महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में भगवान भोलेनाथ को अलग-अलग तरीके से सजाया जा रहा है. भक्तों में इसको लेकर अपार उत्साह है. रोज की सुबह-शाम की आरती में भी सैकड़ों भक्त उमड़ रहे हैं. भोलेनाथ का सेहरा श्रृंगार करने के लिए टीम के सदस्यों द्वारा जिस तरह से प्रयास किया गया, वह सराहनीय है. प्रवीण बुंदेले के साथ पूरी टीम को शुभकामनाएं.

भोलेबाबा के अद्भुत श्रृंगार से रीझे भक्त

महाशिवरात्रि पर भोलेमय हो रही है अंबानगरी, गुरूवार को भक्तों का उमड़ेगा सैलाब

विदर्भ स्वाभिमान, 26 फरवरी

अमरावती-शहर के विभिन्न मंदिरों में महाशिवरात्रि का पर्व भक्तिभाव तथा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर मनाया गया. महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में मंदिरों को सजाया गया है. बुधवार को हजारों की संख्या में भक्तें का सैलाब मंदिरों में उमड़ा. कई मंदिरों में भक्तों द्वारा किया गया भोलेनाथ का श्रृंगार भक्तों को रिझा रहा था. सतीधाम मंदिर में जय जोशी और संजय झुनझुनवाला के मार्गदर्शन में विधि-विधान से भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की गई.

इस कड़ी में लाखों भक्तों के आस्थास्थल सतीधाम मंदिर रायली प्लॉट में सर्वप्रथम श्री गणेशजी ,कार्तिकयजी,मां पार्वती का पूजन भोले बाबा एवं नंदीजी का पूजन किया गया. पूजन मिथिलेश पांडे,प्रमोद पांडे,शिवनारायण पांडे,विष्णुकांत पांडे,श्रवण पांडे,रूपेश कुमार पांडे,राजूराम शर्मा द्वारा महारूद्र पाठ किया गया. उसके बाद सभी भक्तों द्वारा सहस्रधारा महाभिषेक की शुरुआत की गई.

इस मौके पर भोलेनाथ का महाअभिषेक दूध ,दही , घी, शक्कर,पंचामृत , शहद, केसर जल, गंगाजल, नारियल पानी, आमरस, गन्ना का रस, मौसंबी का रस, अनार का रस , 51 लीटर ठंडाई , 101 लीटर दूध द्वारा भोलेनाथ का महाअभिषेक किया गया. अभिषेक पश्चात भोले बाबा का दिव्य अद्भुत श्रृंगार एवं महाआरती की गई महाआरती के पश्चात भोले बाबा पर अर्पित की गई ठंडाई का प्रसाद सभी भक्तों में वितरण किया गया.अभिषेक एवं पूजन मंदिर के व्यवस्थापक संजय झुनझुनवाला,जय जोशी , द्वारा की गई ओर अनेक भक्त परिवार ने इसका लाभ उठाया.गोपाल भूतड़ा ,आनंद सिंघानिया , विट्ठल बढ़ाए ,गौरव बियानी,अमर राठी,अजय चौधरी , मनीष जलान ,सुनील अग्रवाल,राजकुमार चूड़ीवाला ,विजय अग्रवाल,पवन भूत अनिल नरेडी,अशोक नरेडी,अमित अग्रवाल,राजेश चांडक,अक्षय व्यास ,जितेंद्र टेलर,बाबू शुक्ला,जगदीश जावंधिया, मनीष जोशी,कांचन जोशी, गुणश्री जोशी, छेदिलला मस्करा, संकेत गोयंका,संजय अग्रवाल,सुनील अग्रवाल,सीमा चौबे , नीलू झुनझुनवाला,मुरारी अग्रवाल,मदन मुंधडा गिरीश जालान,विजय कंसल,नीलम,जोशी,सुनील जोशी,ठक्कर,आशीष लढ्ढा , हस्तीमल टेलर,राजेश शर्मा ,योगिता टेलर,दीपा लढ्ढा,वर्षा व्यास,मनीष अग्रवाल सहित हजारों की संख्या में पुरूष,महिला भक्त उपस्थीत थे.

धर्म-कर्म-सेवा की त्रिवेणी संगम हैं मां कनकेश्वरीदेवी

विदर्भ स्वाभिमान का नमन,2 मार्च को अवतरण दिवस पर विशेष

भारत की आधुनिक मीरा के रूप में अग्नी अखाडे की महामंडलेश्वर मां कनकेश्वरी देवी का 2 मार्च को अवतरण दिवस है, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान, आनंद परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें भगवान भोलेनाथ के चरणों में यही कामना. उम्र के 9 साल से तपस्या करने वाली स्वामी केशवानंद महाराज की शिष्या मां कनकेश्वरी ने धर्म,कर्म और सेवा के क्षेत्र में जिस तरह से कार्य किया है और कर रही हैं, वह अनुकरणीय है. गरीब बेटियों को शिक्षा के साथ ही अन्नदान के माध्यम से हजारों लोगों को सहयोग के साथ ही सनातन धर्म के प्रचार और प्रसार के लिए उनका योगदान सदैव याद रहेगा. वह जहां भी श्रीराम कथा होती है, वहां प्रभु श्रीराम के गुणगान के साथ ही उनके आदर्श विचारों तथा राष्ट्रधर्म, परिवार के दायित्व के साथ ही मर्यादा का जीवन में पालन करने की सीख देती हैं. सेवाकार्य के साथ ही सामाजिक तथा शैक्षिक कामों में भी मां का महत्वपूर्ण योगदान रहता है. संस्कारों पर जहां वे जोर देती हैं, वहीं दूसरी ओर धार्मिक आयोजनों में भी सदैव योगदान रहता है.उज्जैन में सिंहस्थ में अग्नि अखाड़े की साध्वी कनकेश्वरी देवी को बड़े-बड़े संतों की मौजूदगी में हुए भव्य पट्टाभिषेक समारोह में महामंडलेश्वर की पदवी दी गई थी. अपनी सौम्यता से एक अलग पहचान बनाने वाली कनकेश्वरी देवी ने सिर्फ नौ साल की उम्र में ही सांसारिक जीवन छोडकर दीक्षा ले ली थी. वे अग्नि अखाड़े की पहली महिला महामंडलेश्वर हैं. भगवान शिव के दर्शन के लिए बनीं थीं साध्वी...

कनकेश्वरी देवी का जन्म गुजरात के मोरबी जिले का है. वो बचपन से ही विशेष प्रतिभा संपन्न थीं. एकबार पढ़ने या सुनने के बाद कोई भी श्लोक, मंत्र या कहानी वैसे के वैसे दोहरा देती थीं. बचपन से उनका रूझान भक्ति की तरफ था. भगवान शिव उनके आराध्य हैं. शिव के दर्शन के लिए नौ साल की उम्र में साधना शुरू कर दी थी.इसी दौरान मोरबी में अग्नि अखाड़े के श्री महंत स्वामी केशवानंद से उनकी मुलाकात हुई. कनकेश्वरी देवी कहती हैं उनसे मिलकर मुझे ऐसा लगा कि मुझे जिस भगवान के दर्शन की आस थी वो पूरी हो गई है.गुरु में मुझे शिव सा सौम्य रूप दिखा. उनका त्याग, वैराग्य के दर्शन से चेतना जागी और मेरा जीवन वैराग्य की ओर चल पड़ा.रामायण व भागवत का अध्ययन किया. 16 साल की उम्र में पहली कथा की. इसके बाद कभी पीछे मुड़ने का काम नहीं पडा और आज आधुनिक भारत की मीरा के रूप में उन्हें पहचाना जाता है. अमरावती से मां का गहरा नाता है. बडनेरा में उनकी श्रीराम कथा तथा अन्य कार्यक्रम होते हैं.गुरु का प्रसाद है महामंडलेश्वर का पद.कनकेश्वरी देवी ने कहा कि महामंडलेश्वर का पद मेरी योग्यता का नहीं बल्कि गुरु की कृपा का प्रसाद है.उन्होंने कहा महामंडलेश्वर बनने के बाद नाम जरूर बदल जाएगा लेकिन और कुछ नहीं बदलेगा. पिछले 15 साल से वैरागी जीवन बिता रही हूं. साधना के अलावा शास्त्रों के मुताबिक अनुशासित जीवन जी रही हूं. अमरावती से मां कनकेश्वरी का गहरा संबंध है. यहां पर वे जहां सेवाकार्य में सदैव सहयोग करती हैं, वहीं प्राचार्य बाबा राऊत, समाजसेवी सुदर्शन गांग के साथ ही मां के सैकड़ों की संख्या में भक्त हैं. जो विभिन्न सामाजिक उपक्रमों में सदैव अग्रणी रहते हैं. मां की ममता जहां समस्त भक्तों को मिलती है, वहीं सनातन धर्म का झंडा बुलंद करने के साथ ही बच्चों को आदर्श संस्कार देने पर उनका जोर रहता है. अपनी कथाओं में भी वे आदर्श भारत तथा संस्कारित भारत की महत्ता पर प्रकाश डालती हैं. उनके अवतरण दिवस पर मंगलमय हार्दिक कामना.

सुभाषचंद्र दुबे, संपादक

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

– संपर्क –
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती
मो. 9423426199, 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान
वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

मेहनत को पर्याय नहीं-पूरणभैया

ज़न्मदिन पर बेबाक राय

प्रतिनिधि, 26 फरवरी

अमरावती - जीवन में कामयाबी हासिल करना है तो शार्ट कट नहीं बल्कि मेहनत, ईमानदारी, लगन और समर्पण को पर्याय नहीं हो सकता है. वर्तमान में युवाओं में अपार संभावना है, उनका विजन भी बेहतरीन है. लेकिन मेहनत के मामले में कुछ ही सकारात्मक रहते हैं. देश के विकास में युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान है. अमरावती की जनता ने सदैव अपार प्रेम दिया है. जनता के प्यार के साथ ही व्यवसाय के साथ ही राष्ट्रधर्म को

निभाते हुए जितना संभव होता है, समाज को लौटाने का सदैव प्रयास करता हूं. इस आशय का मत आराधना परिवार के मप्रुख, समाजसेवी और धार्मिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले पूरणसेठ हबलानी ने किया.

अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अमरावती संभागीय मुख्यालय है. शहर के साथ ही जिले के लोग मेहनती हैं और कभी भी पीछे नहीं हटते हैं. लोगों से मिलने वाले प्यार और ग्राहकों के विश्वास को सबसे बड़ी कमाई बताते हुए कहते हैं कि आराधना को लोगों का सदैव अपार स्नेह मिला है. जीवन में हर स्थिति से निपटने की तैयारी रखने वाला कभी विफल नहीं होता है. उनके जन्मदिन पर हमारी मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उत्तरोत्तर प्रगति करें, यही कामना.

अचलपुर में 4 मार्च से शिव महापुराण कथा,तैयारियां तेज

अचलपुर- भगवान भोलेनाथ की कथाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है. शहर तथा जिले में बड़ी संख्या में शिव महापुराण कथाए हो रही हैं. इसे भक्तों का अपार प्रतिसाद मिल रहा है. जुड़वा नगरी में भी शिव महापुराण कथा 4 मार्च से शुरू हो रही है. संकल्प सेवा अचलपुर व सकल सनातनी शिव भक्तों द्वारा शिव महापुराण कथा व शिव लीलाओं का आयोजन 4 से 9 मार्च तक किया जा रहा है . इस कथा की भव्य दिव्य तैयारी की जा रही है. कथा के लिए भव्य मंडप के निर्माण का भूमिपूजन किया गया. 25 फरवरी को सुबह 10:00 बजे नेहरू मैदान पर यह कार्यक्रम हुआ. पंडित गजानन शर्मा ने यह कार्य अपने नेतृत्व में संपन्न कराया .

सर्वप्रथम मातृभूमि की वंदना कर मातृभूमि का पूजन किया गया . तपश्चात पूरे विधि विधान से भूमि पूजन कार्य की शुरुआत हुई .इसमें शहर के नागरिक तथा संस्था सदस्य अध्यक्षों की उपस्थिति रही . बड़ी संख्या में शिव भक्त उपस्थित रहे . भक्तों ने भारी उत्साह दिखाते हुए हर-हर महादेव और श्री शिवाय नमस्तुभ्यं ओम नमः शिवाय के नारे लगाते हुए पूरे क्षेत्र को ही शिवमय कर दिया. मौके पर मनोहर अग्रवाल मनोज अग्रवाल , सुभाष गोयल, संतोष अग्रवाल, सुनील सराफ , बनवारी अग्रवाल, कचरू पटवारी, चंदन बंसल ,अमित अग्रवाल, मुरारी अग्रवाल, पराग अग्रवाल, गोविंद गोयल, ओम शर्मा, अमर जयस्वाल ,पंकज मालवीय , गोपाल खेतान ,अनिल लोकवाणी, भारत अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे. महिला भक्तों ने भी इस कार्य में बढ़ चढ़कर अपना योगदान दिया. जिनमें अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष कविता अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष छाया अग्रवाल, तृप्ति अग्रवाल ,चंचल अग्रवाल, वैशाली शाह व माया ताई के साथ अनेक महिलाओ की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह आयोजकों ने किया है.

गुरूवार 27 फरवरी से 5 मार्च 2025

मेष

गौतिक सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी के पास फंसा हुआ धन मिलने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ

भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे. व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है. परिवार में किसी अपने का दखद समाचार प्राप्त होगा. पत्नी से मतभेद हो सकते हैं.

मिथुन

छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.

कर्क

स्पर्धा अच्छाई के लिए करने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ

समय बेहतरीन परिणाम देने वाला है. मित्रों का साथ मिलेगा और रूका हुआ कार्य पूरा होने में समय अनुकूल है. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. सभी को समझने का प्रयास करें.

मीन

यह सप्ताह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान-आनंद आदर्श महिला पुरस्कार समारोह 9 को

विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए 9 महिलाओं को विदर्भ स्वाभिमान-आनंद आदर्श महिला सम्मान

विदर्भ स्वाभिमान, 26 फरवरी

अमरावती-महिलाओं में हर कार्य करने की अपार क्षमता होती है. वह जब स्वयं को समझ लेती है और कोई लक्ष्य तय करती है तो निश्चित तौर पर उसमें सफलता मिलती ही है. समाज तथा राष्ट्र के विकास में आज महिलाओं का भरपूर योगदान है. इसी को ध्यान में रखते हुए पिछले दो वर्ष से विदर्भ स्वाभिमान द्वारा उल्लेखनी कार्यों के लिए महिलाओं को आदर्श महिला पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है. श्याम चौक के करीब स्थित जोशी हॉल में 9 मार्च को सुबह 10 बजे आयोजित समारोह में जिलाधिकारी सौरभ कटियार, उनकी सुविद्य पत्नी डॉ. मोनिका कटियार, जिला परिषद की सीईओ तथा कर्मठ अधिकारी संजीता मोहापात्र, मनपा आयुक्त सचिन कलंत्रे,डीसीपी कल्पना बारवकर, पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल के प्राचार्य सुधीर महाजन, मनपा उपायुक्त मेघना वासनकर सहित अन्य मान्यवरों को आमंत्रित किया गया है. सम्मानित होने वाली महिलाओं में लेडी गवर्नर डॉ.कमलताई गवई, जय फोटो स्टूडियो की संचालिका

सौ. रेखाताई दलाल, प्राचार्य डॉ. शोभाताई रोकडे, पुलिस आयुक्तालय में सेवारत वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सीमा दातालकर, डॉ. दीपिका दामानी, ज्ञानशांति उपवन की प्रबंधक और बुजुर्गों की सेवा में समर्पित अरूणा पोलाड, संघर्ष के बाद भी परिवार को संभालने और संवारने वाली लीना बावनेर, अपने खर्च से 250 से अधिक गरीबों और जरूरतमंदों को तीर्थदर्शन कराने वाली सौ. सरोज गुल्हाने सहित अन्यों का समावेश है. सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से आनंद परिवार के सुदर्शन गांग, प्रदीप जैन, अरूण कडू, उपमहापौर प्रमोद पांडे, सौ. अंजली पांडे, विदर्भ स्वाभिमान की सौ. वीणा दुबे, संपादक सुभाष दुबे सहित अन्य मान्यवर उपस्थित रहेंगे. सभी संबंधितों से कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आग्रह विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार द्वारा किया गया है. उल्लेखनीय है कि इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान द्वारा विश्व महिला दिवस पर महिलाओं को समर्पित विशेषांक का विमोचन भी मौके पर मान्यवरों द्वारा किया जाएगा. इसमें इन महिलाओं के साक्षात्कार भी हैं.

अभूतपूर्व रही भक्तिधाम की श्रीराम कथा

प्रयागराज के आनंद महाराज क़ी कथा

अमरावती- जलाराम सत्संग मंडल द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य मे भक्तिधाम मंदिर में आयोजित प्रयागराज निवासी पं.आनंद महाराज की श्रीराम कथा अभूतपूर्व रही. बड़ी संख्या में लोगों ने कथा का लाभ लिया. उनके मुताबिक प्रेम का नाम ही त्याग है, जहां प्रेम होता है, त्याग वहीं होता है, यह दोनों जहां रहते हैं, वहां रिश्तों में कभी कड़वाहट नहीं आ सकती है. निःस्वार्थ प्रेम ही ख़ुशी का माध्यम बनता है. जबकि स्वार्थ के लिए किया गया प्रेम बर्बादी का कारण बनता है. प्रभु श्रीराम ने अपने जीवन में सदैव त्याग किया. महाशिवरात्रि पर भक्तों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में सदैव खुश रहने के साथ ही अन्यों को भी ख़ुश रखने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन जलाराम सत्संग मंडल द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में बडनेरा रोड स्थित भक्तिधाम मंदिर में जारी श्रीराम कथा में प्रयागराज निवासी और श्रीरामचरित मानस मर्मज्ञ आनंद महाराज (मानसप्रेमी) ने किया. परिवार कैसा हो, इसका आदर्श प्रभु श्रीराम हैं. जब हम छोटों को प्रेम देते हैं तो निश्चित तौर पर उनसे हमें सम्मान प्राप्त होगा.बुधवार को हर चौपाई का बेहतरीन विवेचन करने के साथ ही आनंद महाराज इसके माध्यम से आदर्श मानवता, संयुक्त परिवार की महत्ता, रिश्तों की अहमियता का महत्व भी भक्तों को बताते हैं. क़था का समापन महाप्रसाद के साथ हुआ. बड़ी संख्या में भक्त शामिल थे.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात सर्वात
जास्त प्लाटस्चे
सौदे करणारे
एकमेव इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू
मैदान,अमरावती.फोन

दुग्धपूर्णा

गर्मी से बेहाल लोगों के लिए राहत तथा स्वादिष्ट विभिन्न शीतल पेयों का विश्वसनीय और पसंदीदा स्थान, जहां गल होता है तर...लोग करते हैं साल भर जिसका इंतजार

पुरूषोत्तम पाटील
तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये
शितपेयाचा राजा
दुग्धपूर्णा
राजकमल चौक,
अमरावती

श्री बालाजी
कॅटरर्स
आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.
भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.
द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास – मो. ९९७५२७७१९९

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो
शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251